अध्याय

02

जॉर्ज पंचम की नाक

© NCERT not to be republished

कमलेश्वर

कमलेश्वर

जीवन परिचय

जन्म- सन् 1932 ई.
जन्म-स्थान - मैनपुरी (उत्तर प्रदेश)

मृत्यु - 27 जनवरी , सन् 2007 को दिल का दौरा पड़ने से ।

शिक्षा -। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम. ए.

दूरदर्शन के अतिरिक्त-महानिदेशक के पद पर कार्य किया।

'नई कहानी' आंदोलन के प्रवर्तक ।

साहित्यिक परिचय

प्रमुख रचनाएँ -
कहानी-संग्रह - राजा निरबंसियाँ , खोई हुई दिशाएँ, सोलह छतों वाला घर और जिंदा मुर्दे
उपन्यास - वही बात,आगामी अतीत, डाक बंगला , काली आंधी और कितने पाकिस्तान

संपादित पत्र-पत्रिकाएँ- सारिका, दैनिक जागरण और दैनिक भास्कर

अनेक हिंदी फिल्मों एवं टी. वी. धारावाहिकों की पटकथा लेखन ।

पुरस्कार - साहित्य-अकादमी तथा पद्म-,भूषण पुरस्कार से पुरस्कृत

पाठ- परिचय

जॉर्ज पंचम की नाक

'जॉर्ज पंचम की नाक' एक व्यंग्यात्मक कहानी है।

जॉर्ज पंचम की नाक का कटना ब्रिटिश-साम्राज्य की प्रतिष्ठा का धूल में मिलने का प्रतीक है ।

© JCERT not to be republished

- परतंत्र भारत के समय जॉर्ज पंचम की नाक को लगाने को लेकर सरकारी तंत्र में चिंता , परेशानी और बदहवासी का व्यंग्यात्मक चित्रण हुआ है।
- हमारे देश के छोटे-छोटे शहीद बच्चों के नाक से भी जॉर्ज पंचम की नाक छोटा है , बड़े-बड़े देशभक्त नेताओं की तो बात ही अलग है ।
- ब्रिटिश शासकों की मान- प्रतिष्ठा हमारे देश के छोटे-छोटे शहीद बच्चों की मान-प्रतिष्ठा से भी बहुत कम है ।
- सरकारी तंत्र के लोग ब्रिटिश शासकों की आवभगत के लिए इतने चिंतित और परेशान हो जाते हैं कि अपने देश के नुकसान का भी ख्याल नहीं करते हैं ।
- जॉर्ज पंचम की लाट पर जिंदा व्यक्ति का नाक लगाने पर अपने देश की नाक कटाने की बात कही गई है ।

पाठ का सारांश-

'जॉर्ज पंचम की नाक' लेखक कमलेश्वर की एक व्यंग्यात्मक कहानी है । पराधीन भारत के समय बहुत पहले कुछ आंदोलनकारी इंडिया गेट के पास स्थापित जॉर्ज पंचम की मूर्ति का नाक तोड़ देते हैं। जब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के भारत आने की खबर सरकारी कर्मचारियों को मिलती है तो उनके स्वागत के लिए चारों तरफ साफ-सफाई होने लगती है। जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर नाक लगाने की बात भी होने लगती है। इसके लिए एक मूर्तिकार को बुलाया जाता है। मूर्तिकार जॉर्ज पंचम की नाक लगाने के लिए चारों तरफ के पहाड़ों पर छान मारता है, किंतु वह पत्थर कहीं नहीं मिलता है, जिस पत्थर का वह मूर्ति बना था। मूर्तिकार सरकारी कर्मचारियों को सलाह देता है कि क्यों न अपने देश के नेताओं की प्रतिमाओं में से किसी एक की नाक को लाकर जॉर्ज पंचम की लाट पर बैठा दी जाए? सरकारी कर्मचारियों से आदेश लेकर मूर्तिकार दिल्ली से मुंबई पहुँचा- जहाँ दादा भाई नौरोजी, गोखले, तिलक, शिवाजी आदि के नाक को नापते हैं, फिर गुजरात में गांधीजी, सरदार पटेल,विट्ठल भाई पटेल, महादेव देसाई, बंगाल में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ,सुभाष चंद्र बोस, राजा राममोहन राय, उत्तर प्रदेश में चंद्र शेखर आजाद,बिस्मिल, मोतीलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय, मद्रास में सत्यमूर्ति तथा पंजाब में लाला लाजपत राय और भगतसिंह आदि सभी की प्रतिमाओं के नाक को टटोलकर नापते हैं, पर सभी के नाक जॉर्ज पंचम की नाक से बहुत बड़ी निकलती हैं। अब मूर्तिकार बिहार

© JCERT not to be republished

के सचिवालय के समीप 1942 में शहीद होने वाले छोटे-छोटे बच्चों की स्थापित मूर्तियों की नाक को भी टटोलकर नापते हैं। इन बच्चों के नाक भी जॉर्ज पंचम की नाक से बड़ी निकलती है। अंत में मूर्तिकार थक हार कर सरकारी तंत्र के लोगों को सलाह देते हैं कि क्यों न इस देश के 40 करोड़ लोगों में से किसी एक व्यक्ति का जिंदा नाक जॉर्ज पंचम की लाट की नाक पर लगा दी जाए? अंत में उस मूर्ति पर जिंदा मनुष्य के नाक को बैठा दी जाती है।अगले दिन देश के सभी अखबारों में यह खबर छपती है कि जॉर्ज पंचम की लाट पर जिंदा नाक लगा दी गई है। उस दिन सभी अखबारों में इस एक खबर के अलावे किसी भी प्रकार का कोई अन्य खबर नहीं छपी।

इस तरह से एक ब्रिटिश शासक के स्वागत के लिए, उसके मान- प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए अपने देश का हित चाहने वाले तथाकथित लोग अपने ही देश की इज्ज़त- प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला देते हैं।

प्रश्न उत्तर :-

प्रश्न 1. सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है?

उत्तर - सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता या बहवासी दिखाई देती है, वह ब्रिटिश-शासकों के मान-सम्मान तथा आवभगत करने की मानसिकता को दर्शाती है। ब्रिटिश-शासकों के मान-सम्मान के लिए सरकारी तंत्र के कर्मचारी इतने परेशान हो जाते हैं कि वे अपने देश की मान- सम्मान का भी ध्यान नहीं रख पाते हैं तथा अपने देश की नाक को कटा देते हैं।

प्रश्न 2. रानी एलिजाबेथ के दरजी की परेशानी का क्या कारण था? उसकी परेशानी को आप किस तरह तर्कसंगत ठहराएँगे?

उत्तर - इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ द्वितीय अपने पति के साथ हिंदुस्तान आने वाली थी। रानी एलिजाबेथ का दरजी परेशान हो जाता है कि वह हिंदुस्तान,पाकिस्तान और नेपाल के दौरे पर कब और क्या पहनेगी। रानी एलिजाबेथ कोई मामूली हस्ती नहीं थी बल्कि वह ब्रिटेन की रानी थी, जिसका साम्राज्य भारत तथा विश्व के अनेक देशों में था। इसलिए दरजी का यह परेशानी तर्कसंगत है।

प्रश्न 3. 'और देखते ही देखते नई दिल्ली का कायापलट होने लगा' - नई दिल्ली का काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे?

उत्तर - नई दिल्ली का कायापलट के लिए निम्नलिखित प्रयत्न किए गए होंगे-

1. नई दिल्ली की सड़कों की मरम्मत तथा साफ सफाई की गई होंगी।
2. नई दिल्ली के सरकारी इमारतों की साफ-सफाई कर उन्हें रंगों से चमकाया गया होगा

© JCERT not to be republished

3. सड़कों के किनारे की झाड़ियों को काट छांट कर उन्हें आकर्षक बनाया गया होगा
4. सड़कों के किनारे की नालियों की साफ सफाई की गई होगी।
5. सड़कों के किनारे छोटे-छोटे पौधों और फूलों के पार्क बनाए गए होंगे।
6. नई दिल्ली की सड़कों पर रोशनी के लिए समुचित व्यवस्था की गई होंगी।
7. इंडिया गेट के पास जॉर्ज पंचम की लाट को साफ सफाई कर उसे रंगों से चमकाया गया होगा।

प्रश्न 4. आज की पत्रकारिता में चर्चित हस्तियों की पहनावे और खानपान संबंधी आदतों आदि के वर्णन का दौर चल पड़ा है-

(क) इस प्रकार की पत्रकारिता के बारे में आपके क्या विचार हैं?

उत्तर - इस प्रकार की पत्रकारिता से आज के लिए युवा- पीढ़ी पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आज के बच्चे बड़े-बड़े हस्तियों के पहनावे और खानपान का अनुसरण कर गलत राह को पकड़ लेते हैं। अतः इस तरह की पत्रकारिता बहुत ही घटिया किस्म की पत्रकारिता है, जो देश के भविष्य को बर्बाद कर रहा है।

(ख) इस तरह की पत्रकारिता आम जनता विशेषकर युवा पीढ़ी पर क्या प्रभाव डालती है?

उत्तर - इस तरह की पत्रकारिता आम जनता विशेषकर युवा पीढ़ी पर बहुत ही बुरा प्रभाव डालती है। आज के युवा पीढ़ी बड़े-बड़े हस्तियों के समान अपना जीवन जीना चाहते हैं। बड़े-बड़े हस्तियों के समान जीवन जीने के लिए वे गलत रास्ते पर चलकर पैसा कमाने लगते हैं, जिसका परिणाम बहुत ही बुरा होता है। अतः ऐसी पत्रकारिता आज की युवा पीढ़ी को पतन की ओर ले जा रही है।

प्रश्न 5. जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किए?

उत्तर - जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने निम्नलिखित यत्न किए-

1. मूर्तिकार वह मूर्ति जिस पत्थर की बनी थी, उस पत्थर की तलाश के लिए विभिन्न पहाड़ों की छान मारता है।
2. मूर्तिकार अपने ही देश के नेताओं की प्रतिमाओं की नाकों का नाप लेता है ताकि जो फिट बैठे उसे जॉर्ज पंचम की नाक पर बैठा दें।
3. बिहार सेक्रेटरिएट के पास 1942 के आंदोलन में शहीद हुए बच्चों की मूर्तियों में भी जॉर्ज पंचम की नाक का नाप ढूंढता है।
4. अंत में मूर्तिकार जॉर्ज पंचम की लाट की नाक पर जिंदा मनुष्य की नाक बैठा देता है।

प्रश्न 6. प्रस्तुत कहानी में जगह- जगह कुछ ऐसे कथन आए हैं जो मौजूदा व्यवस्था पर करारी चोट करते हैं। उदाहरण के लिए 'फाइलें सब कुछ हजम कर चुकी हैं।' 'सब

© JCERT not to be republished

हुक्कामों ने एक दूसरे की तरफ ताका।' पाठ में आए ऐसे अन्य कथन छाँटकर लिखिए।

उत्तर - 1. अगर यह नाक नहीं है तो हमारी भी नाक नहीं रह जाएगी।

2. दिल्ली में सब था किंतु नाक नहीं थी।
3. देश के खैरख्वाहों की एक मीटिंग बुलाई गई और मसला पेश किया गया।
4. उच्च स्तर पर मशवरे हुए, दिमाग खरोंचे गए और यह तय किया गया कि हर हालत में इस नाक का होना बहुत जरूरी है।
5. इस नाक के लिए बड़े तहलके मचे थे किसी वक्त आंदोलन हुए थे! राजनीतिक पार्टियों ने प्रस्ताव पास किए थे, चंदा जमा किया था, कुछ नेताओं ने भाषण दिए थे।

प्रश्न 7. नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है। यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभरकर आई है? लिखिए।

उत्तर - 'नाक' मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है। इस पाठ का शीर्षक भी इसी व्यंग्य की ओर संकेत करता है। इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ के स्वागत में और जॉर्ज पंचम की लाट पर नाक न होने पर सरकारी तंत्र में बहुत सारी परेशानियाँ उत्पन्न हुई। सरकारी तंत्र का मानना है कि महारानी के मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में ही भारत का मान-सम्मान और प्रतिष्ठा है। यदि जॉर्ज पंचम की लाट पर नाक ही नहीं रहेगी तो महारानी की मान- सम्मान और प्रतिष्ठा कैसे बढ़ेगी? उनके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए भारतीय सरकारी तंत्र के द्वारा जॉर्ज पंचम की लाट पर एक जीवित इंसान के नाक को बैठा कर अपने ही देश की नाक को कटवा देते हैं। इस तरह यह कहानी पूरी तरह से व्यंग्यात्मक है।

प्रश्न 8. जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता, यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करना चाहता है?

उत्तर - जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक इस बात की ओर संकेत करना चाहता है कि भारत का मान-सम्मान, इज्जत-प्रतिष्ठा ब्रिटिश शासकों के मान-सम्मान और इज्जत- प्रतिष्ठा से बहुत अधिक है। भारत में भारतीय शहीदों और बलिदानियों को बहुत ही मान-सम्मान दिया जाता है। उन्हें बहुत अधिक प्रतिष्ठा मिलती है, जबकि हमारे देश में शासन करने वाले ब्रिटिश शासकों को सम्मान के साथ नहीं देखा जाता है,उन्हें बहुत ही हेय दृष्टि से देखा जाता है।

प्रश्न 9. अखबारों ने जिंदा नाक लगने की खबर को किस तरह से प्रस्तुत किया?

उत्तर - अखबारों ने जिंदा नाक लगाने की खबर को इस तरह से प्रस्तुत किया - 'जॉर्ज पंचम के जिंदा नाक लगाई गई है .....यानी ऐसी नाक जो कतई पत्थर की नहीं लगती।' अखबारों ने इस खबर के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की खबर को नहीं छापी।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 10. "नयी दिल्ली में सब था..... सिर्फ नाक नहीं थी।" इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

उत्तर - इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते हैं कि नई दिल्ली ब्रिटिश शासकों के लिए राजधानी थी। वहाँ सब कुछ था, सारी सुख-सुविधाएँ थी, चमक-दमक थी, लेकिन उनका मान-सम्मान, इज्जत- प्रतिष्ठा कुछ भी नहीं था। भारतीय क्रांतिकारियों और आंदोलनकारियों ने उनका मान-सम्मान, इज्जत-प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिला दिए थे।

प्रश्न 11. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे?

उत्तर - जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन सभी अखबार इसलिए चुप थी कि ब्रिटिश शासक जॉर्ज पंचम की पत्थर की मूर्ति के लिए एक जीवित भारतीय के नाक को काटा जाता है। इस एक नाक का कटना पूरे भारतीयों का नाक कटना है। नाक मान-सम्मान का प्रतीक है और यह सब मान- सम्मान एक नाक का कटने से मिट्टी में मिल गया। अखबार वाले यह नहीं समझ पा रहे थे कि इस अमानवीय- कृत्य का वर्णन किस प्रकार से करें? इसलिए उस दिन सभी अखबार चुप थे।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. इंग्लैंड की कौन–सी रानी हिंदुस्तान पधारने वाली थी?

(a) एलिजाबेथ (b) एलिजाबेथ द्वितीय

(c) मार्गरेट थैचर (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(b) एलिजाबेथ द्वितीय

प्रश्न 2. रानी किस–किस देश के दौरे पर थी?

(a) हिंदुस्तान (b) पाकिस्तान

(c) नेपाल (d) इनमें से सभी

उत्तर-(d) इनमें से सभी

प्रश्न 3. रानी एलिजाबेथ द्वितीय के पति का नाम क्या है?

(a) प्रिंस फिलिप (b) प्रिंस हैरी

(c) प्रिंस विलियम (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(a) प्रिंस फिलिप

प्रश्न 4. रानी किस हवाई अड्डे पर उतरने वाली थी?

(a) पालम (b) बेंगलुरु

(c) जयपुर (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(a) पालम

प्रश्न 5. पालम हवाई अड्डा किस राज्य या केंद्र शासित राज्य में हैश

(a) लक्ष्यद्वीप (b) बेंगलुरु

(c) जयपुर (d) दिल्ली

उत्तर-(d) दिल्ली

प्रश्न 6. लाटो का क्या अर्थ होता है?

(a) लालटेन (b) लाडला

© JCERT not to be republished

(c) खंभा या मूर्ति (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(c) खंभा या मूर्ति

प्रश्न 7. पंचम की लाट से कहाँ से नाक गायब हो गई?

(a) इंडिया गेट की सामने वाली लाट से

(b) लोटस टैंपल के सामने वाली लाड से

(c) अमृतसर के लाट से

(d) इनमे से कोई नहीं

उत्तर-(a) इंडिया गेट की सामने वाली लाट से

प्रश्न 8. देश के खैरख्वाहों की एक मीटिंग बुलाई गई यहाँ पर खैरख़्वाहों का क्या अर्थ है?

(a) भलाई ना चाहने वाले

(b) भलाई चाहने वाले

(c) कोमलंगी

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(b) भलाई चाहने वाले

प्रश्न 9. किस मूर्ति से नाक गायब हो गई थी?

(a) जॉर्ज पंचम (b) गाँधी

(c) नेहरू (d) सुभाष चन्द्र बोस

उत्तर-(a) जॉर्ज पंचम

प्रश्न 10. मीटिंग के बाद क्या तय हुआ?

(a) नाक लगवाई जाए

(b) नाक ना लगवाई जाए

(c) मूर्ति को पेंट करवाया जाए

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(a) नाक लगवाई जाए

प्रश्न 11. मूर्तिकार असल में क्या था?

(a) अध्यापक (b) हेड मास्टर

(c) कलाकार (d) नेता

उत्तर-(c) कलाकार

प्रश्न 11. मूर्ति के बारे में पता करने के लिए किस विभाग की फाइलों की छानबीन की गई?

(a) स्वास्थ्य विभाग

(b) कला विभाग

(c) सांस्कृतिक विभाग

(d) पुरातत्व विभाग

उत्तर-(d) पुरातत्व विभाग

प्रश्न 12. मूर्तिकार ने हुकामों से क्या प्रश्न पूछा?

(a) लाट के लिए पत्थर कहाँ से लाया गया

(b) लाट कब और कहाँ बना

(c) दोनों (a) और (b)

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (c) दोनों (a) और (b)

प्रश्न 13. दारोमदार का क्या अर्थ होता है?

(a) कार्यभार (b) दारू

(c) दरवाजा (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(a) कार्यभार

प्रश्न 14. "मैं हिंदुस्तान के हर पहाड़ पर जाऊंगा और ऐसा ही पत्थर खोज कर

© JCERT not to be republished

लाऊंगा'' ऐसा किसने कहा?

(a) पुरातत्व विभाग के सदस्य ने

(b) सभापति ने

(c) मूर्तिकार

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(c) मूर्तिकार

प्रश्न 16. ''हर चीज इस देश के गर्भ में छिपी है'' ऐसा किसने कहा?

(a) पुरातत्व विभाग के सदस्य ने

(b) सभापति ने

(c) मूर्तिकार

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(b) सभापति ने

प्रश्न 17. असल में लाट का पत्थर कहाँ से था?

(a) उत्तराखंड (b) हिमाचल

(c) मध्य प्रदेश (d) विदेश

उत्तर-(d) विदेश

प्रश्न 18. मुंबई में मूर्तिकार को किसकी–किसकी मूर्तियाँ दिखी?

(a) दादाभाई नौरोजी

(b) बाल गंगाधर तिलक

(c) शिवाजी

(d) इनमें से सभी

उत्तर-(d) इनमें से सभी

प्रश्न 19. इन महापुरुषों में से कौन–से लोग बंगाल से हैं?

(a) गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर

(b) सुभाष चंद्र बोस

(c) राजा राममोहन रॉय

(d) इनमें से सभी

उत्तर-(d) इनमें से सभी

प्रश्न 20. गुजरात में मूर्तिकार को किसकी किसकी मूर्तियाँ दिखीं?

(a) विट्ठल भाई पटेल

(b) सरदार पटेल

(c) महादेव गोसाई

(d) इनमें से सभी

उत्तर-(d) इनमें से सभी

प्रश्न 21. चंद्रशेखर आजाद, मोतीलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय किस राज्य से हैं?

(a) उत्तर प्रदेश (b) राजस्थान

(c) मध्य प्रदेश (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(a) उत्तर प्रदेश

प्रश्न 22. पंजाब में मूर्तिकार को किसकी मूर्तियों से सामना हुआ?

(a) भगत सिंह

(b) लाला लाजपत राय

(c) दोनों (a) और (b)

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(c)दोनों (a) और (b)

© JCERT not to be republished